दैनिक यशोभूमि
नया तेवर, नया कलेवर

# मध्य पूर्व की स्थिति पर व्यापार समुदाय की नजर

**यशोभूमि/प्रतिनिधि**

**मुंबई।** मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव को लेकर व्यापार और उद्योग जगत ने चिंता व्यक्त की है और वैश्विक व्यापार तथा ऊर्जा आपूर्ति की स्थिरता बनाए रखने के लिए शांति और संवाद को प्राथमिकता देने की अपील की है। उद्योग जगत का मानना है कि यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए यहां किसी भी प्रकार की अस्थिरता का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।

**यह क्षेत्र व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण**

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, मुंबई के अध्यक्ष विजय कलंत्री ने कहा कि मध्य पूर्व की स्थिति पर वैश्विक व्यापार समुदाय लगातार नजर रखे हुए है। यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री परिवहन का महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में स्थित कई प्रमुख समुद्री मार्ग वैश्विक व्यापार के लिए बेहद अहम हैं। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जिसके माध्यम से प्रतिदिन दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल परिवहन होता है। यदि इन मार्गों में किसी प्रकार की बाधा आती है तो इसका असर ऊर्जा बाजार, मालभाड़ा दरों और वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर पड़ सकता है।

उन्होंने भारतीय उद्योग जगत को आश्वस्त करते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों के बावजूद भारत की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत है। उनके अनुसार शेयर बाजार, सोने और कच्चे तेल की कीमतों में हालिया उतार-चढ़ाव अधिकतर घबराहट की प्रतिक्रिया है, न कि आर्थिक आधारभूत स्थितियों में किसी बड़े बदलाव का संकेत। उन्होंने कहा कि भारत के सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध हैं और देश इस संघर्ष का प्रत्यक्ष हिस्सा नहीं है। भारत हमेशा तनाव कम करने और कूटनीतिक संवाद के माध्यम से समाधान का समर्थन करता रहा है।

कालंत्री ने बताया कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति भी अपेक्षाकृत सुरक्षित है। देश के पास लगभग 40 से 45 दिनों की आवश्यकता के बराबर रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार उपलब्ध है और भारत 40 से अधिक देशों से कच्चे तेल की आपूर्ति प्राप्त करता है। इससे आपूर्ति में लचीलापन बना रहता है। उन्होंने उद्योग जगत से अपील की कि वे अल्पकालिक डर या अफवाहों के आधार पर निर्णय लेने से बचें और धैर्य बनाए रखें।